फेल इमरान खान अब दुनिया के सामने झोली फैलाकर खड़े

बोले, 30 साल से इकट्ठा कर रहा पैसा, पाकिस्तान में मेरा तजुर्बा सबसे ज्यादा, ट्रोल

ट्रोल

- आईएमएफ से कर्ज में राहत की मांग, वहीं विदेशों में बसे पाकिस्तानियों से चंदा मांगा है
- दुनिया से चंदा मांगने को ही अपनी सबसे बड़ी खूबी भी बताया

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

इस्लामाबाद। कोरोना वायरस से जूझ रहे पाकिस्थान में इस महामारी को रोकने में बुरी तरह से फेल साबित हुए प्रधानमंत्री इमरान खान अब दुनिया के सामने झोली फैलाकर खड़े हैं। उन्होंने जहां आईएमएफ और विश्व बैंक से कर्ज में राहत की मांग की है, वहीं विदेशों में बसे पाकिस्तानियों से चंदा मांगा है। यही नहीं इमरान खान ने दुनिया से चंदा मांगने को ही अपनी सबसे बड़ी खूबी भी बताया है।

इमरान अपने इस विवादित बयान को लेकर अब सोशल मीडिया पर काफी ट्रोल हो रहे हैं। दरअसल, इमरान खान ने एक पाकिस्तानी टीवी चौनल से बातचीत में कहा, मैं बड़ी देर से पाकिस्तान में पैसा इकट्ठा कर रहा हूं। 30 साल से।

सबसे ज्यादा मेरा तजुर्बा है पैसा इकट्ठा करने में। इमरान का यह बयान अब सोशल मीडिया में काफी ट्रोल हो रहा है।

इमरान एक पेशेवर भिखारी या दान इकट्ठा करने वाले: लिटिल टाइगर ने लिखा, इस बयान का मतलब है कि इमरान एक पेशेवर भिखारी या दान इकट्ठा करने वाले हैं।

वह भी तब से जब उन्होंने अपनी पहली पत्नी के पैसे से पाकिस्तान में हॉस्पिटल बनवाया था। संदीप सापरे ने लिखा, इमरान खान ने अस्पताल के नाम पर अपनी क्रिकेट की लोकप्रियता का फायदा उठाया और बड़ी तादाद में भारतीय लोगों से चंदा वसूला।

सोनी ने लिखा, यह जोक सही है कि पाकिस्तान के लोगों ने भीख मांगने के लिए पीएम रखा है जो 30 साल का तजुर्बा रखता है। इमरान अपने बयान ही नहीं बल्कि अपनी ब्रांडेट टीशर्ट के लिए भी ट्रोल हो रहे हैं। दरअसल, कोरोना संकट से निपटने के लिए जब इमरान खान ने ट्विटर के जरिए लोगों से मदद की अपील की तो उस समय उन्होंने ग्रीन कलर की पोलो टी–शर्ट पहन रखी थी।

हाथ फैलाते वक्त ब्रांडेड कपड़े पहनने की क्या जरूरत: इमरान खान ने राल्फ लॉरेन की टी–शर्ट पहन रखी थी जिसकी कीमत हजारों में है। किसी साइट पर इसकी कीमत 11 हजार तो कहीं 29 हजार रुपये बताई जा रही है। फिर क्या था जनता ने उनके मजे लेने शुरू कर दिए। ट्विटर यूजर्स ने उनकी टांग खींचते हुए पूछा कि दुनिया के सामने हाथ फैलाते वक्त ब्रांडेड कपड़े पहनने की क्या जरूरत थी।

न्यूज डायरी

चीन के एक–तिहाई डॉक्टरों को नहीं आ रही नींद

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) पेइचिंग। कोरोना वायरस की चपेट में सिर्फ वही लोग नहीं है जो इससे संक्रमित हैं बल्कि ये वायरस उन लोगों को भी मानसिक रूप से बीमार बना रहा है जो इसके इलाज में दिन रात लगे हुए हैं। एक स्टडी की मानें तो चीन में कोरोना के इलाज में जुटे एक तिहाई मेडिकल स्टाफ को (इंसोमनिया) नींद नहीं आ रही है। अनिद्रा महसूस करने वाले इन लोगों में तनाव की भी संभावना है। इस स्टडी में सामने आया कि मेडिकल स्टाफ के लोग संक्रमित मरीजों के ज्यादा करीब होते हैं। ऐसे में उनको भी ये डर सताता रहता है कि वे भी इसकी चपेट में आ जाएंगे। जिससे उनके परिवार और रिश्तेदार भी इस महामारी का शिकार हो जाएंगे। ये डर उनको कुछ इस तरह डराता है जिससे कि वे अनिद्रा का शिकार होते जाते हैं और मन ही मन उनके डर बैठता जाता है।

पाक ने 'संघर्षविराम उल्लंघन' पर भारत के वरिष्ठ राजनयिक को तलब किया

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

इस्लामाबाद। पाकिस्तान ने मंगलवार को भारतीय उच्चायोग के एक वरिष्ठ राजनयिक को तलब किया और नियंत्रण रेखा पर भारतीय सैनिकों द्वारा कथित संघर्षविराम उल्लंघन के खिलाफ अपना विरोध दर्ज कराया। पाकिस्तान के विदेश कार्यालय ने दावा किया कि अंधाधुंध और बिना उकसावे के गोलीबारी के कारण, नियंत्रण रेखा से सटे जंदरोट सेक्टर में 65 वर्षीय नागरिक गंभीर रूप से जख्मी हो गया। पाकिस्तानी विदेश कार्यालय ने आरोप लगाया कि भारतीय सुरक्षा बल नियंत्रण रेखा और कार्यकारी सीमा पर आबादी वाले क्षेत्रों को तोप के गोलों, मोर्टार और स्वचालित हथियारों से निशाना बना रहे हैं।उसने आरोप लगाया कि भारत इस वर्ष अबतक 765 बार संघर्षविराम का उल्लंघन कर चुका है।

कोरोना से उबरने की कोशिश, फिर लगा वुहान का वेट मार्केट

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वुहान। खतरनाक कोरोना वायरस ने दुनिया में सबसे पहले चीन के वुहान शहर को अपना निशाना बनाया था। यहां के वेट मार्केट से निकला वायरस पूरी दुनिया में फैल गया और 1,11,000 से ज्यादा लोगों की जान ले ली। वुहान में कोरोना के केस कम होने के साथ ही चीन ने यहां से लॉकडाउन खत्म कर दिया और अब यहां का वेट मार्केट भी खोल दिया गया है। 116 एकड़ में फैले इस मार्केट में दुकानदार क्रेफिश बेचते नजर आ रहे हैं। बइशाजू वुहान में खाने का सबसे बड़ा थोक बाजार है। यहां 3,600 से ज्यादा दुकानें हैं। फिलहाल कोरोना वायरस को फैलने से रोकने के लिए यहां जिंदा जंगली जानवरों की बिक्री बंद है। बइशाजू पेइचिंग से करीब 15 किमी दूर है और शहर में 70: सब्जियां और फ्रोजन फूड देता है। यह चीन का सबसे बड़ा जिंदा क्रेफिश का बाजार भी है। यहां से क्रेफिश पूरे देश में भेजी जाती है।

स्वीडन में कोरोना वायरस से मृतकों की संख्या 1,000 के पार

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) स्टॉकहोम। स्वीडन में कोरोना वायरस के संक्रमण से जान गंवाने वालों की संख्या मंगलवार को 1,000 पार कर गयी। स्वीडन की लोक स्वास्थ्य एजेंसी ने मंगलवार को बताया कि देश में कोरोना वायरस संक्रमण के कुल 11,445 मामले सामने आये हैं और 1,033 लोगों की मौत हुई है । एजेंसी ने कहा है कि मरने वालों की संख्या ज्यादा भी हो सकती है क्योंकि ईस्टर के मौके पर अवकाश होने की वजह से मृतकों की संख्या का पता नहीं चला है । कोरोना वायरस के संक्रमण को फैलने से रोकने के लिए यूरोप के अन्य देशों के विपरीत स्वीडन में लॉकडाउन नहीं लगाया गया है। संकट से निपटने में सरकार के रवैये पर विशेषज्ञों ने चिंता भी व्यक्त की है ।

कोविड–19 स्वाइन फ्लू से 10 गुना अधिक खतरनाक: डब्ल्यूएचओ

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

जिनेवा। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने सोमवार को कहा कि कोरोना वायरस 2009 में वैश्विक महामारी उत्पन्न करने वाले स्वाइन फ्लू (एच1एन1) से 10 गुना ज्यादा खतरनाक है। डब्ल्यूएचओ ने साथ ही नियंत्रण उपायों को 'धीरे धीरे' हटाने का आह्वान किया।

डब्ल्यूएचओ का यह बयान ऐसे समय पर आया है जब दुनिया में कोरोना वायरस से मरने वालों की संख्या 119,699 पहुंच गई है। डब्ल्यूएचओ प्रमुख डॉ. टेड्रोस एडनम ने जिनेवा से आनलाइन ब्रीफिंग में कहा, 'हमें पता है कि कोविड–19 तेजी से फैलता है और हमें पता है कि यह 2009 फ्लू महामारी से 10 गुना अधिक खतरनाक है। वैश्विक महामारी बन चुके कोरोना वायरस से पूरी दुनिया में इन दिनों 18 लाख से अधिक लोग संक्रमित हैं और यह बीमारी बहुत तेजी से दुनिया में पैर पसार रही है।

कोरोना वायरस से अब तक ब्रिटेन में 11,329, अमेरिका में 22,858 और इटली में 20,465 लोगों की मौत हो गई है। अब तक जितने लोगों को कोरोना वायरस से पॉजिटिव पाया गया है, उनमें से 6.4 प्रतिशत लोगों की मौत हो गई है। ब्रिटेन में मरने वालों का यह आंकड़ा 12 प्रतिशत है, वहीं ऑस्ट्रेलिया में 0.1 प्रतिशत है।

दुनियाभर में मृतकों की संख्या बढ़कर 1,25,000 के पार

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वाशिंगटन। दुनियाभर में कोरोना वायरस के कहर से मरने वालों की संख्या बुधवार को 1,25,000 के आंकड़े को पार कर गई। ताजा आंकड़ों के अनुसार, दिसंबर में चीन में इस वायरस पहला मामला सामने आया था और उसके बाद से लेकर अब तक 1,26,604 लोगों की मौत हो चुकी है। यूरोप में ही 81 हजार से ज्यादा लोगों की कोरोना वायरस से मौत हुई है। वहीं इस महामारी से संक्रमित लोगों की संख्या करीब 20 लाख पहुंच गई है। इस बीच किलर कोरोना वायरस से सबसे ज्यादा प्रभावित अमेरिका में मरने वालों की संख्या 26 हजार पहुंच गई है। वहीं अमेरिका में संक्रमित लोगों की संख्या भी 613,886 पहुंच गई है।

वैक्सीन जल्दी न बनी तो अमेरिका में 2022 तक जारी रह सकता है सोशल डिस्टेंसिंग

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

वाशिंगटन। दुनिया में किलर कोरोना वायरस का सबसे बड़ा गढ़ बन चुके अमेरिका में अगर इस महामारी की वैक्सीन न बनी तो वर्ष 2022 तक सोशल डिस्टेंसिंग जारी रह सकती है। इसके तहत घर में रहने के आदेश और स्कूलों का बंद होना वर्ष 2022 तक जारी रह सकता है। हावर्ड टीएच चान स्कूल के शोधकर्ताओं ने बताया कि अगले कुछ समय के लिए सोशल डिस्टेंसिंग आम जिंदगी का हिस्सा हो सकता है।

हावर्ड के शोधकर्ताओं का यह दावा अमेरिकी राष्ट्रपति कार्यालय के उस दावे से उलट है जिसमें

कुछ समय के लिए सोशल डिस्टेंसिंग जिंदगी का हिस्सा

कहा जा रहा है कि इस साल गर्मियों तक महामारी पर काबू पा लिया जाएगा। उनका यह शोध जर्नल साइंस में प्रकाशित हुआ है। शोधकर्ताओं ने वर्तमान हालात को देखते हुए यह अनुमान लगाया है। उन्होंने कहा, जब तक देश में गंभीर रूप से बीमार लोगों के इलाज के लिए सुविधाएं नहीं बढ़ जाती हैं या वैक्सीन नहीं बन जाती है, तब तक कुछ–कुछ अंतराल पर वर्ष 2022 तक सोशल डिस्टेंसिंग की जरूरत होगी।

वायरस वर्ष 2024 तक फिर से उभर सकता है: सीएनएन की रिपोर्ट के मुताबिक शोधकर्ताओं ने कहा, अगर इस बीमारी का खात्मा कर भी लिया जाता है तो भी इस पर लगातार नजर रखने की जरूरत होगी, क्योंकि यह वायरस वर्ष 2024 तक फिर से उभर सकता है। हावर्ड की टीम के अनुमान से यह भी संकेत मिलता है कि अगर प्रतिबंधों को तेजी से हटाया गया तो यह वायरस दोबारा बहुत तेजी से हमला कर सकता है।

इस शोध के लेखक प्रफेसर डॉक्टर मर्क लिपस्टिक ने कहा, थोड़े–थोड़े अंतराल पर सोशल डिस्टेंसिंग का तरीका जिसे हमने चुना है, वह आने वाले कई सालों तक करना पड़ सकता है। यह निश्चित रूप से बहुत लंबा समय है।

न्यूयॉर्क में मृतकों की संख्या 10,000 के पार

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) न्यूयॉर्क। अमेरिका के न्यूयॉर्क शहर में मंगलवार को कोरोना वायरस से मरने वाले लोगों की संख्या 10,000 के पार चली गई। अधिकारियों ने मरने वाले उन लोगों को भी इसमें शामिल किया है जिनके कोविड–19 से संक्रमित होने की आशंका थी लेकिन उनकी कभी जांच नहीं हुई। अधिकारियों ने बताया कि 3,778 लोगों के इस बीमारी से मारे जाने की आशंका है जिनके बारे में डॉक्टरों ने भी कोरोना वायरस से मरने की वजह बताई है और 6,589 मृतकों के संक्रमित होने की पुष्टि हुई है। इसके साथ ही शहर में मरने वाले लोगों की संख्या 10,000 के पार चली गई है।

शहर के आंकड़ों में यह बदलाव तब आया है जब अधिकारियों ने पाया कि मृतकों की संख्या केवल प्रयोगशाला से पुष्ट मामलों के आधार पर थी जबकि कई लोगों की अस्पताल पहुंचने से पहले घर पर ही मौत हो गई। स्वास्थ्य आयुक्त डॉ. ओक्सीरिस बारबोट ने कहा, ''मरने वाला हर व्यक्ति कोई दोस्त, परिवार का सदस्य, प्रियजन था। हम यह सुनिश्चित करने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं कि कोविड–19 से मरने वाले हर व्यक्ति को गिना जाए।''